ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विवि के रवि शंकर सिंह का ऑस्ट्रेलिया व थाइलैंड में शोध पत्र प्रस्तुत

आस्ट्रेलिया के मर्डोक विश्वविद्यालय, पर्थ के सभागार में शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौध्द अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफसर रवि शंकर सिंह।

थाईलैंड में आयोजित सम्मेलन में उपस्थित प्रतिनिधि।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौध्द अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर रवि शंकर सिंह ने हाल ही में आस्ट्रेलिया के मर्डोक विश्वविद्यालय, पर्थ में आयोजित सम्मेलन में अपना शोध निबंध प्रस्तुत किया। 'बुध्दिजम और आस्ट्रेलिया' इस मुख्य विषय पर 2 से 4 फरवरी के दौरान आयोजित इस सम्मेलन में रवि शंकर सिंह ने 'द टीचिंग ऑफ बुध्दा एण्ड गुड गवर्नंस इन मॉडर्न इंडिया : अ सोशिओ इकोनोमिक एनालिसिस' पर शोध पत्र के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये। इस सम्मेलन में तीस विभिन्न देशों के तीन हजार से भी अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की थी। भारत से गये प्रतिनिधि मंडल में दो प्रतिनिधि सहभागी हुए थे, जिसमें रवि शंकर सिंह के साथ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से प्रोफेसर सोनी शामिल थे। इससे पहले सिंह ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा थाइलैंड में आयोजित आठवें वैशाख महोत्सव में सहभागिता की थी। वहां उन्होंने 'द रोल ऑफ डॉ. बाबासाहब आंबेडकर इन रिवायवल आफ बुध्दिजम इन मॉडर्न इंडिया' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया था। इस सम्मेलन में भी अमेरिका, कनाडा, कोरिया, जापान, चीन मंडोलिया, रशिया तथा आस्ट्रेलिया आदि सहित 60 देशों के करीब तीन हजार प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी